तत्काल प्रकाशन के लिए

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
प्रेस को सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 14/2022)

भादूविप्रा ने स्ट्रीट फ़र्नीचर का उपयोग करके अगली पीढ़ी के दूरसंचार अवसंरचना परिनियोजन के लिए दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पायलट अध्ययन शुरू किया

नई दिल्ली, 22 मार्च 2022: अगली पीढ़ी के नेटवर्क के त्वरित रोल आउट के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे की उपलब्धता में तेजी लाने के लिए, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने दिल्ली में जीएमआर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक पायलट अध्ययन शुरू किया है। पायलट अध्ययन का लक्ष्य वास्तविक तैनाती से बहुत पहले सभी हितधारकों के लिए सक्षम नियामक और नीतिगत ढांचा तैयार करना है।

2. पायलट अध्ययन और सुचारू समन्वय की देखरेख के लिए भादूविप्रा ने एक कार्य समूह का गठन किया है जिसमें नागर विमानन मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, सीओएआई, प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और जीएमआर सहित सभी हितधारकों के प्रतिनिधि होंगे। पायलट अध्ययन से सीखने से भारतीय हवाई अड्डों पर मौजूदा स्ट्रीट फर्नीचर जैसे ट्रैफिक सिग्नल, लिट साइनेज, लैंप पोस्ट, लाइट पोल, यूटिलिटी पोल, बिलबोर्ड आदि का उपयोग करके छोटे सेल की तैनाती को सक्षम करने में मदद मिलेगी। नए माउंटिंग टावरों के निर्माण के स्थान पर मौजूदा बुनियादी ढांचे का उपयोग टेल्को को इसे न्यूनतम लागत पर तैनात करने में सक्षम करेगा जो अंततः प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उच्च क्षमता वाले बैंडविड्थ की पेशकश करने में मदद करेगा। ऐसा माना जाता है कि इससे न केवल हवाई अड्डों पर ग्राहकों को अत्यधिक लाभ होगा बल्कि संबंधित नियंत्रक हवाईअड्डा प्राधिकरणों को अधिक कुशल यात्री और कार्गो हैंडलिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए नए व्यावसायिक मामलों को शुरू करने में सक्षम बनाता है।

3. चूंकि 5जी सेवाएं भी उच्च आवृत्ति बैंड में शुरू की जाएंगी, जिनकी कवरेज कम है, कवरेज और क्षमता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में छोटे सेल तैनात करना अनिवार्य हो जाएगा। तदनुसार छोटे सेल परिनियोजन को अगली पीढ़ी के नेटवर्क के आवश्यक तत्व के रूप में माना जाता है। हालाँकि, छोटे सेल परिनियोजन में कुछ चुनौतियाँ हैं जैसे कि राइट ऑफ़ वे प्राप्त करना, प्रक्रियात्मक सरलीकरण, उच्च क्षमता बैकहॉल का प्रावधान और स्थिर बिजली की उपलब्धता जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। अध्ययन इन मुद्दों को समझने और उचित योजना, नियामक समर्थन और क्रॉस-क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से उन्हें दूर करने में मदद करेगा। इसलिए पायलट अध्ययन पीएम गति शक्ति पहल के साथ तालमेल बिठा रहा है क्योंकि यह बुनियादी ढांचे के सह-निर्माण में और उसे साझा करने में मदद करेगा।

4. इसी तरह के पायलट अध्ययन को भादूविप्रा द्वारा बंदरगाह, मेट्रो रेल और स्मार्ट सिटी में भी शुरू किया जा रहा है। इसी लिए गुजरात में कांडला पोर्ट, बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और भोपाल स्मार्ट सिटी को पायलट स्थानों के रूप में चुना गया है।

RAGHUNANDAN
VARTHAKAVI

(वी.रघुनंदन)
सचिव, भादूविप्रा